

ADVERTISEMENT

Ad

होम

लेटेस्ट न्यूज

पर्सनल फाइनेंस

शेयर बाजार

इकोनॉमी

आवाज़ पाठशाला

टेक

ऑटो

फोटो

MARKET LIVE

STORYBOARD 18

CNBC AWAAZ एंकर हब

लेखक हब

छोटे शहर, बड़े सपने

Vedanta: वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सुनाई एक साड़ी की कहानी, बोले- बदलाव की बड़ी ताकत हैं युवा और महिलाएं

Vedanta: एक महिला के पास पहनने के लिए सिर्फ एक साड़ी थी. वह मैली हो गई थी, लेकिन उसे धोने के लिए भी दूसरी साड़ी चाहिए थी. गांधी जयंती पर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने चंपारण से जुड़ा यह प्रसंग साझा करते हुए गरीबी, सामाजिक बदलाव और युवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी.



By CNBC Awaaz

October 2, 2026, 1:26:46 PM IST (Updated)

Impact Shorts
Big News, Made Easy

1 Min Read



2 अक्टूबर 2026. अनिल अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बचपन की एक याद साझा की. उन्होंने बताया कि बड़ों से गांधीजी की चंपारण यात्रा का यह किस्सा सुना था. उनके मुताबिक, चंपारण प्रवास के दौरान एक परिवार ने गांधीजी को भोजन के लिए आमंत्रित किया था. वहां एक महिला खाना परोस रही थी. कस्तूरबा गांधी की नजर उसकी मैली साड़ी पर पड़ी. उन्होंने महिला से पूछा कि वह अपनी साड़ी धो क्यों नहीं लेती. सुनने में यह सीधा सवाल था. लेकिन इसका जवाब उस परिवार की गरीबी और रोज की मुश्किलों को सामने लाने वाला था.

ADVERTISEMENT

Ad

फोटो गैलरी

Stocks to Watch for October: IDBI Bank, Jio समेत इन शेयरों में

Oct 14, 2026 7:55 PM

Jio Platforms IPO: आईपीओ पर आई अभी सबसे बड़ी अपडेट, जार्ज

Oct 14, 2026 6:50 PM

Gold Price News: ₹ गिरावट! MCX पर ₹1.4 नीचे आई कीमत, दिवा

Oct 14, 2026 6:36 PM

Currency

Currency	Price
Dollar-Rupee	95.17
Euro-Rupee	109.91
Pound-Rupee	127.41

ADVERT

(शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए सीएनबीसी आवाज़ के व्हाट्सएप चैनल के साथ ([लिंक पर क्लिक करें](#))).

महिला कस्तूरबा गांधी को अपनी झोपड़ी के अंदर ले गई. उसने बताया कि उसके पास पहनने के लिए केवल यही एक साड़ी है. दूसरी साड़ी होती, तभी पहली को धो पाती. उस जवाब में कोई लंबी शिकायत नहीं थी. बस एक ऐसी जरूरत का जिक्र था, जिसे पूरा करना भी उसके लिए संभव नहीं था.

शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए हमारे साथ
(लिंक पर क्लिक करें). ये सीएनबीसी आवाज़ का टेलीग्राम चैनल है

यह प्रसंग इसलिए मन में ठहर जाता है, क्योंकि बाहर से दिखने वाली समस्या और उसके पीछे की मजबूरी अलग थीं. मैली साड़ी देखकर सफाई का सवाल उठ सकता था. लेकिन महिला की बात सुनने पर समझ आया कि असली परेशानी दूसरे कपड़े का न होना थी. किसी की जिंदगी समझने के लिए उसकी परिस्थितियों को करीब से देखना कितना जरूरी है, यह कहानी उसी ओर ध्यान दिलाती है. (IREDA Stock Price: 310 से 111 रुपये पर आया इरेडा का शेयर, टॉप मैनेजमेंट पर सरकार का फैसला, एक्सचेंज पर खबर)

अग्रवाल ने कहा कि शायद उस एक साड़ी में गांधीजी ने उस भारत की पूरी तस्वीर देख ली थी, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया. उनके इस विचार में उस भारत की जरूरतें सामने आती हैं, जहां लोगों के लिए बुनियादी सुविधाएं जुटाना भी संघर्ष था. ये भी पढ़ें-Bajaj Finance and Bajaj Finserv: बजाज फाइनेंस में बजाज फिनसर्व के 5800 करोड़ का होगा निवेश, 17,500 के नए प्लान का एलान का एलान

उन्होंने युवाओं और महिलाओं की भूमिका पर भी जोर दिया. अग्रवाल के मुताबिक, गांधीजी इन्हें समाज में बदलाव की बड़ी ताकत मानते थे. बापू के जीवन के अनुभव और प्रयोग आज भी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने और समाज के लिए काम करने की प्रेरणा दे सकते हैं.

आज के संदर्भ में अग्रवाल ने कहा कि भारत की युवा आबादी में देश के भविष्य को आकार देने की क्षमता है. गांधीजी के विचारों से प्रेरणा लेकर युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की भागीदारी को सामाजिक तथा राष्ट्रीय प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है.

एक साड़ी का यह प्रसंग लोगों की जरूरतों को सुनने और समझने का संदेश देता है. किसी मुश्किल का समाधान तलाशने से पहले यह जानना जरूरी है कि वह पैदा क्यों हुई.

अग्रवाल ने गांधी जयंती को भारत की युवा पीढ़ी और उसकी अपार क्षमता को समर्पित करते हुए अपना संदेश इन शब्दों के साथ पूरा किया, “बापू को नमन.”